विचार बिन्दु

जो काम घड़ों जल से नहीं होता उसे दवा के दो घूँट कर देते हैं और जो काम तलवार से नहीं होता वह काँटा कर देता है। –सुदर्शन

सालाना तीस लाख जिंदगियां निगल रही है शराब

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने शराब को लेकर चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। इस संबंध में संगठन ने अपनी एक ताज़ा रिपोर्ट पेश करते हुए कहा कि शराब की वजह से हर साल करीब 30 लाख लोगों की मौत होती है।

उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में मृत्यु दर में थोड़ी कमी आई है। इस नए रिपोर्ट को लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा कि आंकड़ें भले ही कम हो रहे हों लेकिन यह अभी भी 'अस्वीकार्य रूप से उच्च' बनी हुई है। शराब और स्वास्थ्य पर पेश इस नवीनतम रिपोर्ट में कहा गया है कि शराब से सेवन से हर साल दुनिया भर में 20 में से लगभग एक मौत शराब पीने के कारण होती है। शराब पी के गाड़ी चलाने, शराब के कारण होने वाली हिंसा और दुर्व्यवहार और कई तरह की बीमारियों और विकारों के कारण यह मौत होती है। शराब का नशा कम समय में बहुत अधिक शराब पीने से जुड़ी एक स्थिति है। इसे शराब पॉयसन भी कहा जाता है। शराब का नशा गंभीर है यह आपके शरीर के तापमान, श्वास, हृदय गति और गैग रिफ्लेक्स को प्रभावित करता है।

यह कभी-कभी कोमा या मृत्यु का कारण भी बन सकता है। शराब का नशा कम समय में जल्दी हो सकता है। जब कोई व्यक्ति शराब का सेवन कर रहा होता है, तो अलग-अलग लक्षण दिखाई दे सकता हैं। ये लक्षण नशे के विभिन्न स्तरों, या चरणों से जुड़े होते हैं।

नशाखोरी इस सदी की सबसे बड़ी समस्या है जिसमें शराब का नशा प्रमुख है। आज युवा वर्ग शराब के नशे में खोता जा रहा है। युवाओं में तेजी से बढ़ रही शराब की लत को लेकर स्वास्थ्य विशेषज्ञ समय-समय सचेत करते रहते हैं। शराब का सेवन शरीर को गंभीर क्षति पहुंचा सकता है। युवाओं के बीच शराब का सेवन एक चलन सा चल पड़ा है। शराब एक नशीला पदार्थ है, जिसको एक प्रकार का अवसाद भी माना जाता है। शराब जैसे तन मन और परिवार को खोखला करने वाली की लत उन्हें बर्बाद कर रही है। शुरू में युवा शौक के तौर पर शराब का सेवन करता है और बाद में नशे की मांग पूरी करने के लिए तस्करी और गैर सामाजिक कार्य के कारोबार में फंस जाता है। देश में 15 वर्ष या उससे अधिक आयु के 31.2 फीसदी लोग शराब का सेवन करते हैं। इनमें से 3.8 फीसदी वो लोग भी हैं जो इसकी लत का बुरी तरह शिकार हैं और आए दिन बड़ी मात्रा में शराब पीते हैं, जबकि 12.3 फीसदी वो हैं जो कभी-कभार काफी ज्यादा शराब पीते हैं। युवा लोगों में शराब पीने की लत तो बढ़ ही रही थी, अब पीकर बेहोश होने का नया चलन शुरू हो गया है। आजकल के बदलते लाइफस्टाइल में हमारे देश में नशा एक ऐसा अभिशाप बन कर उभर रहा है जो हमारे युवाओं को तेजी से अपनी गिरफ्त में लेता जा रहा है। साल-दर-साल इन युवाओं की संख्या तेजी से बढ़ रही है। युवाओं में शराब जैसे खतरनाक नशे के बढ़ते चलन के पीछे बदलती जीवनशैली, अकेलापन, बेरोज़गारी और आपसी कलह जैसे अनेक कारण हो सकते हैं।

युवाओं में नशा करने की बढ़ती प्रवृत्ति के चलते शहरी और ग्रामीण अंचल में आपराधिक वारदातों में काफी इजाफा हो रहा है। शराब के साथ नशे की दवाओं का उपयोग कर युवा वर्ग आपराधिक वारदातों को सहजता के साथ अंजाम देने लगे हैं। हिंसा, बलात्कार, चोरी, आत्महत्या आदि अनेक अपराधों के पीछे नशा एक बहुत बड़ी वजह है। शराब पीकर गाड़ी चलाते हुए एक्सीडेंट करना, शादीशुदा व्यक्तियों द्वारा नशे में अपनी पत्नी से मारपीट करना आम बात है।

युवाओं में तेजी से बढ़ रही शराब की लत को लेकर स्वास्थ्य विशेषज्ञ समय-समय सचेत करते रहते हैं। शराब का सेवन शरीर को गंभीर क्षित पहुंचा सकता है। युवाओं के बीच शराब का सेवन एक चलन सा चल पड़ा है। शराब एक नशीला पदार्थ है, जिसको एक प्रकार का अवसाद भी माना जाता है।

एक सरकारी सर्वेक्षण के अनुसार भारत में पांच में से एक शख्स शराब पीता है। सर्वे के अनुसार 19 प्रतिशत लोगों को शराब की लत है। जबकि 2.9 करोड़ लोगों की तुलना में 10-75 उम्र के 2.7 प्रतिशत लोगों को हर रोज ज्यादा नहीं तो कम से कम एक पेग जरूर चाहिए होता है और ये शराब के लती होते हैं। सर्वेक्षण के अनुसार देशभर में 10 से 75 साल की आयु वर्ग के 14.6 प्रतिशत यानी करीब 16 करोड़ लोग शराब पीते हैं। छत्तीसगढ़, त्रिपुरा, पंजाब, अरुणाचल प्रदेश और गोवा में शराब का सबसे ज्यादा इस्तेमाल किया जाता है।

इस सर्वे की चौंकाने वाली बात यह है कि देश में 10 साल के बच्चे भी नशीले पदार्थों का सेवन करने वालों में शामिल हैं। एक अन्य सर्वे के मुताबिक भारत में गरीबी की रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले लगभग 37 प्रतिशत लोग नशे का सेवन करते हैं। इनमें ऐसे लोग भी शामिल है जिनके घरों में दो जून रोटी भी सुलभ नहीं है। जिन परिवारों के पास रोटी-कपड़ा और मकान की सुविधा उपलब्ध नहीं है तथा सुबह-शाम के खाने के लाले पड़े हुए हैं उनके मुखिया मजदूरी के रूप में जो कमा कर लाते हैं वे शराब पर फूंक डालते हैं। इन लोगों को अपने परिवार की चिन्ता नहीं है कि उनके पेट खाली हैं और बच्चे भूख से तड़फ रहे हैं। ऐसे लोगों की संख्या भी लगातार बढ़ती जा रही है। ये लोग कहते हैं वे गम को भुलाने के लिए नशे का सेवन करते हैं। उनका यह तर्क कितना बेमानी है जब यह देखा जाता है कि उनका परिवार भूखे ही सो रहा है। युवाओं में नशा करने की बढ़ती प्रवृत्ति के चलते शहरी और ग्रामीण अंचल में आपराधिक वारदातों में काफी इजाफा हो रहा है। शराब के साथ नशे की दवाओं का उपयोग कर युवा वर्ग आपराधिक वारदातों को सहजता के साथ अंजाम देने लगे हैं। हिंसा, बलात्कार, चोरी, आत्महत्या आदि अनेक अपराधों के पीछे नशा एक बहुत बड़ी वजह है। शराब पीकर गाड़ी चलाते हुए एक्सीडेंट करना, शादीशुदा व्यक्तियों द्वारा नशे में अपनी पत्नी से मारपीट करना आम बात है। शराब पीने से कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं होती हैं, जिनमें लीवर का सिरोसिस और कुछ कैंसर शामिल हैं।

रिपोर्ट में पाया गया कि 2019 में इसके कारण हुई सभी मौतों में से लगभग 1.6 मिलियन गैर-संचारी रोगों से हुई थीं। इनमें से 474,000 हृदय संबंधी बीमारियों से, 401,000 कैंसर से और 724,000 लोग यातायात दुर्घटनाओं और खुद को नुकसान पहुंचाने सहित चोटों से हुई थीं। रिपोर्ट में पाया गया कि शराब का सेवन करने से लोग तपेदिक, एचआईवी और निमोनिया जैसी संक्रामक बीमारियों के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाते हैं।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

राशिफल शनिवार 6 जुलाई, 2024

पंडित अनिल शर्मा

आषाढ़ मास, शुकल पक्ष, प्रतिपदा तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2081, पुनर्वसु नक्षत्र रात्रि 4:48 तक, व्याघात योग रात्रि 2:47 तक, किस्तुघ्न करण सांय 4:27 तक, चन्द्रमा रात्रि 10:34 से कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-मेष, बुध-कर्क, गुरू-वृष, शुक्र-मिथुन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज शुक्र कर्क राशि में रात्रि 4:31 पर प्रवेश करेगा। आज से गुप्त नवरात्रा आरम्भ होंगे।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:24 से 9:07 तक, चर 12:31 से 2:13 तक, लाभ-अमृत 2:13 से 5:38 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 5:42, सूर्यास्त 7:20

मेष

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

वृष

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी रहेगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मिथुन
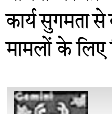
व्यावसायिक कार्यों के लिए यात्रा संभव है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी।

कर्क
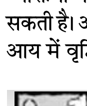
व्यक्तिगत परेशानियों के कारण मानसिक तनाव बना रहेगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

सिंह

आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में शुभ कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कन्या

व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

तुला
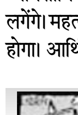
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
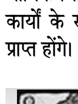
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान उत्पन्न हो सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब होगा। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

धनु
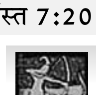
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

मकर

स्वास्थ्य में सुधार होगा। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। घर-परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ

व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मीन
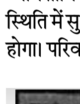
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

जालोर में कृषि भूमि पर बिना किसी भू-रूपानांतरण के काटी जारी कॉलोनियां

राज्य सरकार के आदेश हैं कि कृषि भूमि पर बिना भू-रूपानान्तण के किसी प्रकार से भूखण्ड का बेचान आदि नहीं किया जा सकता है

जालोर, (कासं)। जालोर में भू-माफिया की ओर से बिना किसी भू-रूपानान्तरण किये कृषि भूमि पर कॉलोनियां नियम विरूद्ध काटी जा रही है। जबकि राज्य सरकार के आदेश है कि कृषि भूमि पर बिना भू- रूपानान्तण के किसी प्रकार से भूखण्ड का बेचान आदि नहीं किया जा सकता है।

जालोर में प्रशासनिक उदासीनता के चलते जालोर शहर के आसपास कृषि भूमि पर भू-माफियाओं द्वारा नियम विरूद्ध बिना किसी प्रकार से भू-रूपानान्तरण किये कॉलोनियां काटकर भूखण्ड बेचे जा रहे हैं। जबकि राज्य सरकार के आदेशानुसार बिना भू-रूपानान्तण किये किसी भी प्रकार से कृषि भूखण्ड पर कॉलोनियां नही काटी जा सकती है। वहीं कृषि भूखण्ड पर कॉलोनियां काट कर उसकी बेचाननामा करवाने को लेकर जिला कलैक्टर जालोर द्वारा रोक लगा रखी है।

जालोर में बिना भू-रूपानान्तरण के कृषि भूमि पर प्लॉटिंग की गई।

इसके बावजूद जालोर में कृषि भूखण्ड का बेचाननामा दस्तावेज बन रहे हैं। जालोर शहर के केशवना रोड़ स्थित केजीएन कॉलोनी के पास खसरा नम्बर 1174 में भू-माफिया द्वारा भू रूपानान्तरण किये बिना कृषि भूखण्ड पर कॉलोनियां काट दी। ऐसे में धीरे-धीरे कृषि भूमि समाप्त होती नजर आ रही है। वहीं कई जगह तो भू-माफिया संयुक्त कृषि भूमि पर बिना बंटवारा किये भी कॉलोनियां काटने से आने वाले समय विवाद को जन्म देते नजर आ रहे हैं।

■ **जालोर में प्रशासनिक उदासीनता के चलते कृषि भूमि पर कॉलोनियां काटकर भूखण्ड बेचे जा रहे हैं**

संयुक्त खातेदार देवाराम सरगरा ने बताया कि उसकी संयुक्त खाते भूमि केशवना रोड पर आई है। जिसका बंटवारा का वाद एसडीएम कोर्ट जालोर में चला रहा है। इसके बावजूद हमारी संयुक्त खातेदारी भूमि पर भू-माफियाओं ने हमारी जमीन पर भूखण्ड काट दिये, जिसको लेकर पुलिस में रिपोर्ट दी है।

कायलाना की पहाड़ियों में लेपर्ड का शव मिला

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में पिछले कई दिनों से कायलाना और आसपास की पहाड़ियों में घूम रहे लेपर्ड का शव माचिया बायोलॉजिकल पार्क के समीप मिला। फिलहाल लेपर्ड की मौत के कारणों का पता नहीं चल सका है। लेपर्ड की संदिग्ध हालत में हुई मौत को लेकर कई सवाल भी खड़े हो रहे हैं। डीएफओ सरिता चौधरी ने बताया मौत के कारणों का पता लगाने के लिए पोस्टमार्टम करवाया गया है।

■ **लेपर्ड की मौत के कारणों का पता नहीं चल सका है**

गौरतलब है कि पिछले 3 माह से अधिक समय से लेपर्ड की लोकेशन माचिया सफारी पार्क के आसपास आ रही थी। उसकी तलाश में वन विभाग की टीम लगी हुई थी लेकिन उसका रेस्क्यू करने में वन विभाग की टीम में कामयाब नहीं हो पाई।

इस दौरान कई अन्य जिलों के एक्सपर्ट की मदद भी ली गई लेकिन सारे प्रयास बेकार गए। बीएसएफ के ड्रोन की मदद भी ली गई थी लेकिन सफलता हाथ नहीं लगी। अंतिम बार 13 जून की रात एक बजे के आसपास माचिया बायोलॉजिकल पार्क के गेट नंबर 2 के पास लगे इंफ्रारेड ट्रैप कमरे में लेपर्ड नजर आया था। यह कैमरा उसे रेस्क्यू करने के लिए ट्रैप केज के पास लगाया गया था। उस दौरान एक बकरी को भी ट्रैप केज के पास बांधा गया था।

करीब 20 सेकंड के फुटेज में लेपर्ड नजर आया लेकिन उसने बकरी का शिकार नहीं किया। इसके बाद से लेपर्ड नजर नहीं आया। आज उसका शव मिलने से वनकर्मियों में हड़कंप मच गया। फिलहाल लेपर्ड की मौत के कारणों का पता नहीं चल सका है। लेपर्ड की संदिग्ध हालत में हुई मौत को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं।

बीकानेर के विद्यार्थियों ने रोबोटिक बॉलिंग मशीन तैयार की

बीकानेर, (निसं)। टी-20 विश्वकप में भारत की जीत के बाद क्रिकेट प्रेमी उत्साहित हैं। वहीं अब क्रिकेट में बीकानेर का एक उत्पाद क्रांतिकारी बदलाव लेकर आ रहा है। इंजीनियरिंग कॉलेज ऑफ बीकानेर (ईसीबी) के विद्यार्थियों ने एक बॉलिंग मशीन तैयार की है, जो कई वजहों से अपने आप में अनोखी है। इस मशीन से न सिर्फ अधिकतम 120 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद बाहर निकलेगी, बल्कि उस गेंद में कितना घुमाव होगा, उसकी गति कितनी होगी और कोण कैसा होगा, यह सारा कुछ मशीन के सॉफ्टवेयर में लोड होगा। इससे बल्लेबाज न सिर्फ गेंद से प्रेक्टिस कर पाएगा, बल्कि वह स्पिन गेंदबाजी का भी अभ्यास कर सकेगा, यानी ऑफ स्पिन-लेग स्पिन के साथ बल्लेबाज इस गेंदबाजी मशीन से गुगली खेलने का भी अभ्यास कर पाएंगे। खास बात यह है कि इसकी विशिष्ट नियंत्रण प्रणाली से बॉल फीडर भी आसानी से कोच जैसा ही काम कर सकेगा। ईसीबी का इलेक्ट्रॉनिक इंस्ट्रुमेंटेशन विभाग जल्दी ही इस मशीन के पेटेंट का भी दावा करेगा।

इलेक्ट्रॉनिक इंस्ट्रुमेंटेशन विभाग के विभागाध्यक्ष हरजीत सिह बताते हैं कि स्वचालित बॉलिंग रोबोटिक सिस्टम को तीन हिस्सों में तैयार किया गया है। पहला बॉलिंग मोटर ड्राइविंग सिस्टम है। इसमें दो डीसी मोटर तथा ईएसपी-32 माइक्रोकंट्रोलर तथा मॉस्फेट आधारित नियंत्रण प्रणाली है। इसी माइक्रो कंट्रोलर से जुडे सेंसर फेंकी गई प्रत्येक बॉल की रफ्तार भी माप सकेंगे। दूसरा हिस्सा बॉल फीडर सिस्टम भी एक नियंत्रित डीसी मोटर आधारित है, जो बॉल की उपलब्धता, कोच या खिलाडी की मंशा अनुरूप समय पर बॉलिंग मशीन से करवाती रहती है। तीसरा इंटीग्रेटेड कंट्रोल सिस्टम है, जो कोच को बॉलिंग सिस्टम पर पूरा नियंत्रण प्रदान करता है। कोच एक ऐप के सहारे पूरा नियंत्रण रखते हुए अभ्यासरत बल्लेबाज के लिए बॉल की गति तथा स्पिन के प्रकार को पूरी तरह से नियंत्रित रख सकता है।

इलेक्ट्रॉनिक इंस्ट्रुमेंटेशन विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर राहुल राज चौधरी ने बताया कि छात्रों ने इंडस्ट्री ग्रेड के उत्पाद को न सिर्फ अपने आइडिया के साथ डिजाइन किया, बल्कि इसके प्रोटोटाइप को मूर्त रूप देकर स्पोर्ट्स के क्षेत्र में एआई आधारित इंस्ट्रुमेंटेशन की सम्भावनाओं को प्रबल किया है।

न सिर्फ क्रिकेट, बल्कि इस सिस्टम को अपग्रेड करते हुए टेनिस जैसे अन्य खेलों में भी उपयोग किया जा सकेगा। डॉ. मनोज कुडी, प्राचार्य, ईसीबी ने बताया कि छात्रों की टीम ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति द्वारा मल्टी डिसिप्लिनरी रिसर्च को बढ़ावा देने की मंशा को साकार करते हुए खेल क्षेत्र में एक बहुत उपयोगी सिस्टम का डिजाइन व विनिर्माण किया है। यह ईसीबी के छात्रों की काबिलियत को दर्शाता है।

प्रो. ऐके शर्मा, कुलपति बीटीयू का कहना है कि आधुनिक युग में तकनीक निर्माण ही समाज की प्रगति का मुख्य आधार है। बीटीयू में मल्टी डिसिप्लिन रिसर्च को बढ़ावा दिया जा रहा है। छात्रों तथा मेंटर शिक्षकों का नवाचार विश्वविद्यालय के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा।

मेडिकल स्टोर की आड़ में चल रहे अवैध निजी अस्पताल पर छापा

बीकानेर, (निसं)। पंजीकरण की शर्तों का उल्लंघन कर मनमाने ढंग से संचालित एक निजी अस्पताल पर स्वास्थ्य विभाग ने कार्रवाई की। नोखा के मस्जिद चौक में मेडिकल स्टोर की आड़ में अवैध रुप से एक निजी अस्पताल चलाया जा रहा था। स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन की टीम ने पुलिस जाब्ते के साथ जब बालाजी मेडिकल एवं जनरल स्टोर के नाम से संचालित निजी क्लिनिक पर छापा मारा, तो चौंकाने वाला सच सामने आया। यहां आगे मेडिकल स्टोर और पीछे पूरा अस्पताल चलाया जा रहा था। अस्पताल में पांच बेड का वार्ड बनाया था और उसमें एक महिला मरीज को भर्ती कर इलाज किया जा रहा था। इतना ही नहीं एक बंद कमरे का ताला खुलवाकर चेक किया गया, तो अधिकारी भी आश्चर्य चकित रह गए, अंदर पूरा लेबर रूम का सेटअप बनाया था। इसमें लेबर टेबल, लेबर उपकरण व अवैध दवाइयां पाई गई। वार्ड में भर्ती मरीज के पास बायो मेडिकल वेस्ट के लिए एक बाल्टी रखी थी, उसमें ग्लूकोज की खाली बोतलें पड़ी थी। महिला मरीज के पास इलाज से संबंधित कोई पर्ची नहीं मिली, ना ही अस्पताल में मरीज रजिस्ट्रेशन का रेकॉर्ड व रजिस्टर मिला। इस संबंध में अस्पताल में मौजूद संतोष जाट से पूछा, तो उसने बताया कि यह सब डॉक्टर साहब के अधीन हैं, लेकिन मौके पर ना कोई डॉक्टर मिला, ना ही डॉक्टर की उपस्थिति के कोई कागजात मिले। कार्रवाई टीम ने निजी अस्पताल को बंद करा दिया। बाद में बीसीएमओ डॉ. कैलाश गहलोत थाने पहुंचे और इस मामले की पूरी रिपोर्ट दर्ज कराई।

■ **आगे मेडिकल स्टोर और पीछे पूरा अस्पताल चलाया जा रहा था**

सरदार जी का खेड़ा गांव की चारागाह भूमि पर बाहरी लोगों ने अतिक्रमण किया

अतिक्रमण करने से पशुपालकों को मवेशी चराने में परेशानी हो रही है

मांडलगढ़, (निसं)। मांडलगढ़ उपखण्ड क्षेत्र के सरदार जी का खेड़ा गांव की चारागाह भूमि पर बाहरी लोगों ने आकर अतिक्रमण कर लिया है, जिससे पशुपालकों को मवेशी चराने में परेशानी हो रही है। इस मामले को लेकर ग्रामीणों ने मांडलगढ़ एसडीएम और थानेदार को ज्ञापन दिया तथा अतिक्रमियों और ग्रामीणों के बीच खूनी संघर्ष की आशंका के चलते प्रशासन व पुलिस से जल्द कार्रवाई की मांग की है।

सरदारजी का खेड़ा निवासी रामलाल के नेतृत्व में ग्रामीणों द्वारा दिए गए ज्ञापन में बताया कि चारागाह की अधिकांश भूमि पर बाहरी लोग जो किशनजी का खेड़ा, आलिया, भगवान पुरा, पीपल्दा के कुछ प्रभावशाली लोगों ने धनबल और भुजबल के आधार पर स्थानीय कर्मचारियों से मिलीभगत कर गत तीन साल से अतिक्रमण किए हुए है। ज्ञापन में बताया कि चारागाह भूमि पर थूहर की बाउंड्री कर बड़े आकार में बाड़े बना लिए और खेती भी की जा रही है। बढ़ते अतिक्रमण से चारागाह की भूमि समाप्त होती जा रही है, जिससे पशुपालकों के मवेशी चारागाह में विचरण नहीं कर पा रहे हैं।

मांडलगढ़ के सरदारजी का खेडा गांव की चारागाह भूमि से अतिक्रमण हटाने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने एसडीएम को ज्ञापन दिया।

ग्रामीणों का आरोप है कि आलिया गांव के भवानीलाल धाकड़ व त्रिवेणी गांव के रामचन्द्र मीणा ने चारागाह की भूमि पर जेसीबी मशीन लगाकर मिट्टी का अवैध खनन कर खुद के खेत में डलवा दी और कई ट्रैक्टर-ट्रॉली मिट्टी को बेच दिया। अवैध खननकर्ताओं ने चारागाह के सिमा पिलर भी उखाड़ कर फेंक दिए हैं। अवैध मिट्टी खनन से भूमि में बड़े-बड़े गड्ढे पड़ गए हैं, जिससे चारागाह का स्वरूप बदल गया है। मवेशियों के विचरण के लायक नहीं रखा है। इस मामले में ग्राम पंचायत और पटवारी को कई बार शिकायत भी की गई। फिर भी अतिक्रमण नहीं हटाया गया है और न ही पटवारी द्वारा कोई कार्रवाई की जा रही है। ग्रामीणों द्वारा अतिक्रमियों की शिकायत करने पर अतिक्रमी लड़ाई झगड़े पर उतारू हो जाते हैं।

■ **अतिक्रमियों और ग्रामीणों के बीच संघर्ष की आशंका को लेकर एसडीएम और थानेदार को ज्ञापन दिया**

उक्त मामले को लेकर उपखण्ड अधिकारी अजित सिंह ने मांडलगढ़ तहसीलदार ललित डिडवानिया को अतिक्रमण की जांच कर हटाने के निर्देश दिए हैं। ज्ञापन देने में नंद सिंह, चान्दमल, गोपाल लाल, नारायण लाल, सोराम, कैलाश रेगर, हरजी रेबारी, हीरालाल, लादूलाल सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थे।